कामकाजी महिलाओं की पारिवारिक एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएँ

डॉ. श्वेता कुमारी

कामकाजी महिलाओं के जीवन में कई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष अवरोध आते हैं। गहरे से लैंगिक भेदभाव से लेकर यौन उत्पीड़न तक ऐसे में घबरा कर रेस छोड़ देने के बजाए इन रोड़ों को बहादुरी से हटाते हुए आगे बढ़ने का रवैया रखें। अमेरिकी रिसर्च दिखाते हैं कि पुरुषों को उनकी क्षमता जबकि महिलाओं को उनकी पूर्व उपलब्धियों के आधार पर प्रमोशन मिलते हैं। एक ओर बाहर से रोड़े है ंतो दूसरी ओर कई महिलाएँ अपने मन की बेड़ियों में कैद होती हैं। समाज की उनसे अपेक्षाओं का बोझ इतना बढ़ जाता है कि वे अपनी उम्मीदें और महात्वाकांक्षाएँ कम कर लेती हैं। आंतरिक प्रेरणा के अलावा अपने आस पास ऐसे प्रेरणादायी लोगों का एक सपोर्ट नेटवर्क बनाए जो मातृत्व, परिवार और कैरियर की तिहरी जिम्मेदारी को निभाने में आपका संबल बने।